भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ

Bharatiya Pratiraksha Mazdoor Sangh

(AN ALL INDIA FEDERATION OF DEFENCE WORKERS)

(AN INDUSTRIAL UNIT OF B.M.S.)

(RECOGNISED BY MINISTRY OF DEFENCE, GOVT. OF INDIA)

CENTRAL OFFICE : 2-A, NAVIN MARKET, KANPUR-1 • PH. & FAX : (0512) 2332222

Mob. : 09415733686, 09335621629, 09235729390 • E-mail : gensecbpms@yahoo.co.in, cecbpms@yahoo.in

प्रकाशनार्थ

हड़ताल स्थगित की गयी है, समाप्त नही

आज दिनांक 31.06.2019 को भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के केन्द्रीय कार्यालय 2 नवीन मार्केट, कानपुर मे आयुध निर्माणी बोर्ड से सम्बन्धित पदाधिकारियो की एक बैठक हुई। बैठक मे रक्षा क्षेत्र मे काम कर रहे तीन महासंघो के द्वारा देश भर मे फैली 41 आयुध निर्माणियो के निगमीकरण के विरोध मे आवाहन की गयी दिनांक 20.08.2019 से 19.09.2019 तक की एक माह की हड़ताल पर विस्तार से चर्चा हुई जिसे मंत्रालय द्वारा आश्वासन दिये जाने के बाद दिनांक 26.08.2019 को स्थगित कर दिया गया था। बैठक मे देश भर मे फैली आयुध निर्माणियो मे कार्य कर रहे भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के पदाधिकारियो ने हड़ताल से सम्बन्धित अपने विचार दिये जिसमे हड़ताल के दौरान की समस्याये, कर्मचारियो का महासंघो द्वारा हड़ताल स्थगित करने सम्बन्धी निर्णय पर प्रतिक्रिया, यूनियन के पदाधिकारियो की प्रतिक्रिया एवं विभिन्न संगठनो द्वारा दिया गया सहयोग आदि थे।

बैठक मे यह बात उभर कर आयी कि आज आयुध निर्माणियाँ जिन जमीनो पर विद्यमान है उसे स्थानीय निवासियो द्वारा सरकार को आयुध निर्माणियो के निर्माण के लिए दिया गया था। यदि सरकार इन निर्माणियो का निगमीकरण करती है तो स्थानीय निवासियो को वह जमीन वापस दे दी जानी चाहिए।

पदाधिकारियो को बैठक मे पूरे घटनाक्रम का बिन्दुवार विवरण दिया गया। मंत्रालय मे अधिकारियो के साथ हुई बैठक से लेकर अधिकारियो द्वारा दिये गये आश्वासन एवं अन्य महासंघो से साथ हुई बैठक मे की गयी चर्चा से अवगत कराया गया।

बैठक मे भारतीय मजदूर संघ केन्द्रीय कार्यालय एवं विभिन्न राज्यो मे भारतीय मजदूर संघ द्वारा किये गये बड़े स्तर पर किये गये सहयोग एवं समर्थन की जानकारी दी गयी। हड़ताल के दौरान जो कुछ भी हासिल किया गया वह भारतीय मजदूर संघ केन्द्रीय कार्यालय के बिना संभव नही था। भारतीय मजदूर संघ के **144वीं केन्द्रीय कार्यकारिणी की बैठक मे इस सम्बन्ध पारित प्रस्ताव** की भी चर्चा की गयी।

बैठक मे यह बताया गया कि हड़ताल स्थगित की गयी है, समाप्त नही। यह माना गया कि सरकार अपने आश्वासन से नही हटेगी और न ही महासंघो को हड़ताल पर वापस जाने के लिए बाध्य करेगी।

बैठक मे आयुध निर्माणियो का सशक्तीकरण करने पर भी बल दिया गया एवं विभिन्न सुझाव दिये गये। साथ ही यह भी वचनबद्धता ली गयी कि आयुध निर्माणियो के विकास हेतु जो कुछ भी संभव होगा वह भारतीय मजदूर संघ की रीतिनीति राष्ट्रहित उद्योगहित मजदूर हित की राह पर चलते हुए किया जायेगा।

बैठक मे महासंघ के महामंत्री मुकेश सिंह, उपाध्यक्ष साधू सिंह, मंत्री रामप्रवेश सिंह, संगठन मंत्री नरेन्द्र तिवारी, इन्द्रजीत सिंह, ध्यानेश्वर जाधव, वेंकटेश, नीलेश सोमन, सुजाता पाटिल, गोपाल द्विवेदी, रामकुमार शर्मा, बीरेन्द्र सिंह, रवीन्द्र मिश्रा, टी के बोस, नरेश कुमार, पुनीत गुप्ता उपस्थित रहे।

दिनांक– 31.08.2019

भवदीय

(साधू सिंह)
उपाध्यक्ष

भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ

Bharatiya Pratiraksha Mazdoor Sangh

(AN ALL INDIA FEDERATION OF DEFENCE WORKERS)

(AN INDUSTRIAL UNIT OF B.M.S.)

(RECOGNISED BY MINISTRY OF DEFENCE, GOVT. OF INDIA)

CENTRAL OFFICE : 2-A, NAVIN MARKET, KANPUR-1 • PH. & FAX : (0512) 2332222

Mob. : 09415733686, 09335621629, 09235729390 • E-mail : gensecbpms@yahoo.co.in, cecbpms@yahoo.in

For Publication

Strike has been deferred, not withdrawn

Today on dated 31.08.2019, a meeting of office bearers of Bharatiya Pratiraksha Mazdoor Sangh related to Ordnance Factory Board was conducted at BPMS HQ, 2, Navin Market, Kanpur. A detailed deliberation was made on the one month strike called by all three Federations functioning amongst Defence Civilian employees from 20-08-2019 to 19-09-2019 against the corporatization of 41 Ordnance Factories situated at various parts of country which was deferred on 26.08.2019 after some assurances given by the Official of Defence Ministry. The Office Bearers of BPMS came from various Ordnance Factories submitted their views on problems faced during the strike, response of employees on the decision of deferment of Strike by the Federations, reactions of Karyakartas of Unions on the decision and cooperation extended by other Organizations etc.

It emerged in the meeting that the land on which Ordnance Factories exist today were given by the local residents for the construction of Ordnance Factories. If the Govt incorporates these factories, they should be given their lands back.

The Office Bearers were given point wise description of entire matter in the meeting. They were informed about the discussions as well as assurances those were made in the meeting with Official of the Ministry and discussions with other federations.

Office Bearers were informed in the meeting about the high level of cooperation and support extended by the Bharatiya Mazdoor Sangh Central Office and State Bharatiya Mazdoor Sangh. It was informed in the meeting that whatsoever we had achieved was not possible without the help of BMS Central Office. A resolution was passed in this regard in the 144th National Executive Committee meeting of Bharatiya Mazdoor Sangh.

It was averred in the meeting that the Strike had been deferred, not withdrawn. It is supposed that the Govt will not breach its assurances, nor will constrain us to hold the Strike again.

It was resolved in the meeting to strengthen the Ordnance Factories and various suggestions were given in this regard. It was resolved in the meeting that for the development of Ordnance Factories whatsoever was required would be done complying the ideology of *Rastrahit Udyoghit Mazdoor hit* of Bharatiya Mazdoor Sangh.

General Secretary/ BPMS, Mukesh Singh, Vice-President Sadhu Singh, Secretary Ram Pravesh Singh, Organizing Secretary Narendra Tiwari, Indrajeet Singh, Dhyneshwar Jadhav, Venkatesh, Neelesh Soman, Sujata Patil, Gopal Dwivedi, Ram Kumar Sharma, Birendra Sharma, Ravindra Mishra, T K Bose, Naresh Kumar, Punit Gupta were present in the meeting.

Dated: 31.08.2019

(SADHU SINGH)
Vice-President